अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 473, वर्ष 37

राँची, नवम्बर, 2013

स्थापना दिवस विशेषांक

कोल इण्डिया/सीसीएल का 39वां स्थापना दिवस समापन समारोह

स्थापना दिवस समापन समारोह का शुभारंभ 14 नवंबर को सीसीएल मुख्यालय परिसर स्थित 'विचार मंच' सभागार में वेद मंत्रोच्चार, कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत तथा सीएमडी सीसीएल श्री गोपाल सिंह एवं पूर्व अध्यक्षों, अध्यक्ष–सह–प्रबंधकों,निदेशकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कोल इण्डिया के पूर्व अध्यक्ष, सीसीएल के पूर्व अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशकों एवं निदेशकगणों कार्यकारी निदेशकों – सर्वश्री एम पी नारायणन , एस के चौधरी, बालास्वामी अकला, एस. के वर्मा, एम ए उबैद, सी.एस.झा, एस एन सिंह, आर डी राय, आर पी रिटोलिया, आर के साहा, एस सी खेरा, निदेशकगण श्री यू के चौबे, एम.एम. सिह, बी एन दीक्षित, बी पी सिंह, बी के सिन्हा, यू कुमार, डा. आर कुमार, जे एन सिंह, डा. एम पी सिंह को सीएमडी श्री सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं गुलदस्ता प्रदान कर सम्मानित किया। अवसर विशेष पर अतिथियों का स्वागत परम्परागत आदिवासी मनोहारी लोक नृत्य प्रस्तुत कर किया गया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष, सीएमडी, निदेशकगणों एवं माननीय अतिथिगणों ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीद कोयला कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यालय राँची में आयोजित स्थापना दिवस समापन समारोह की रंग–बिरंगी झलकिया°

समारोह के मुख्य अतिथि सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने उपस्थित सभी को सीसीएल / कोल इंडिया स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी तथा स्वागत करते हुए कहा कि सीसीएल का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि सीसीएल खदानों की जमीनी हकीकत काफी चुनौतीपूर्ण है परन्तु अपने पूर्व मेन्टरों और दिग्गजों के आर्शीवाद एवं सीसीएल के निपुण एवं प्रतिबद्ध कर्मियों के सम्मिलित प्रयास से कम्पनी अवश्य ही अपने उत्पादन एवं अन्य लक्ष्य की प्राप्ति करेगा और आनेवाले दिनों में सीसीएल कोल इंडिया ही नहीं बल्कि ग्लोबल नम्बर–एक कम्पनी बनेगी। श्री सिंह ने पावर प्वाइंट के माध्यम से सीसीएल के कार्यक्षेत्र, गतिविधियों यथा उत्पादन, प्रेषण, ओवर बर्डेन निकासी, खदान क्षेत्रों में पौधा रोपण, भूमि अधिग्रहण, कानून व्यवस्था, नई परियोजनाएं, वन भूमि क्लियरेंस, खदानों के संचालन, श्रम शक्ति, सी.एस.आर. के अन्तर्गत चलाई जा रही कायाकल्प योजनाओं तथा अन्य बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर "झारखंड के विकास में सीसीएल की भूमिका" विषय पर भूतपूर्व अध्यक्ष, अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशकों, निदेशकों के साथ विचार–विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। पूर्व अध्यक्ष कोल इण्डिया श्री एम पी नारायणन की अध्यक्षता में भूतपूर्व सीएमडी/निदेशकों ने अपने–अपने सुझाव तथा विचारों से सभी को अवगत कराया।

श्री नारायणन ने प्रबंधन को कम्पनी में नई आई. टी. तकनीक के प्रयोग की भूरि–भूरि प्रशंसा की और इसे आगे भी जारी रखने की बात कही।

श्री एम पी नारायणन पूर्व अध्यक्ष, कोल इण्डिया ने के एस चारी मेमोरियल लेक्चर सीसीएल में प्रत्येक वर्ष कराने का सुझाव दिया। सभी छात्रों (सीसीएल के लाल) को माननीय अतिथियों तथा सीएमडी ने ब्लेजर प्रदान किया।

श्री एस के चौधरी, पूर्व अध्यक्ष कोल इण्डिया ने रांची को सार्वजनिक क्षेत्र के लिए मंदिर की संज्ञा दी जहां–एक साथ एन सी डी सी(वर्तमान सीसीएल), सेल, एच.ई.सी. और मेकन कंपनियों के मुख्यालय स्थित हैं।

श्री बी अकला पूर्व सी एम डी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कम्पनी में आई टी के नये तकनीक का उपयोग सराहनीय कदम है। उन्होंने कोकिंग कोल की महत्ता को देखते हुए इस दिशा में सीसीएल को कार्य करने की सलाह दी।

श्री आर डी राय पूर्व सी एम डी ने कहा कि ऊर्जा के कितने भी वैकल्पिक स्रोत क्यों न हों पर कोयले का महत्व कभी कम नहीं होगा।

श्री यू कुमार पूर्व सी एम डी ने कम्पनी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सीसीएल के अच्छे दिन शुरू हो गए हैं और कम्पनी सतत सही दिशा में अग्रसर है।

श्री एम ए उबैद पूर्व सीएमडी ने सीसीएल प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि झारखंड राज्य तथा भारत सरकार के लिए सीसीएल का योगदान सराहनीय रहा है।

श्री आर पी रिटोलिया पूर्व सी एम डी ने कहा सीसीएल ने ही देश को एम एस धोनी जैसा क्रिकेट खिलाड़ी दिया है।

श्री आर के साहा पूर्व सी एम डी ने सीसीएल प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कम्पनी द्वारा तैयार की गई कार्य योजना की सराहना करते हुए कहा कि आप सिर्फ काम करें परिणाम अपने आप मिलेंगे। झारखंड के लोग सीसीएल से प्यार करते हैं। उन्होंने टोरी शिवपुर रेलवे लाइन के जल्दी पूर्ण हो, ऐसी अपेक्षा की।

श्री एस के वर्मा पूर्व सी एम डी ने कहा कि सीसीएल में खुली खदान बेहतर रूप से कार्य कर रहा है लेकिन यह चुनौती भरा है।

इस अवसर पर श्री बी पी सिंह ने भी अपनी बातें रखी।

श्री यू के चौबे पूर्व निदेशक ने नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने की बात कही और कहा कि भविष्य में इन्हीं को कोयला उद्योग को संभालना है।

श्री जे एन सिंह पूर्व निदेशक ने सीसीएल द्वारा किए जा रहे कल्याणकारी कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीसीएल सी.एस.आर. के क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है।

धन्यवाद ज्ञापन श्री आर आर मिश्र, निदेशक(कार्मिक) ने किया जबकि मंच संचालन श्री ए डी बाधवा ने किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अपने–अपने कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन करने वाले सीसीएल के क्षेत्रों एवं इकाइयों तथा कर्मियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। श्री गोपाल सिंह, श्री आर आर मिश्र, श्रीमती विस्मिता तेज, सी भी ओ तथा जेसीएससी सदस्यों ने व्यक्तिगत, खान तथा क्षेत्रों को (कुल 18 सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता क्षेत्र एवं 22 व्यक्तिगत सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता/इकाई/क्षेत्र) पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया।

अवसर विशेष पर सीएमडी, ने जेसीएससी सदस्यों को शॉल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, "बिटिया सम्मान वर्ष" के मौके पर देश की प्रख्यात महिला हॉकी खिलाड़ी तथा झारखंड राज्य की जूनियर विश्व महिला हॉकी विजेता टीम की सदस्या सुश्री विगन सोय को सीएमडी, सीसीएल ने एक लाख रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

हम खुशबू हैं फूलों से उड़ा करते हैं
हम धुआ°हैं पहाड़ों से उड़ा करते हैं
ये कैंचिया°जमाने की क्या काटेंगी हमारे पंख
हम पंखों से नहीं हौसलों से उड़ा करते हैं।

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : निवेदिता बनर्जी, वरीय अधिकारी (रा.भा.), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)